पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 2, अंक 9

माह - दिसंबर 2019, मूल्य - निःशुल्क

॥विचार संस्था॥
(स्थापना वर्ष 2003)

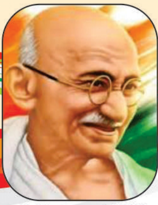

2 अक्टूबर 1869

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

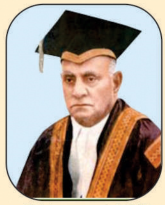

26 नवम्बर 1870

17* किलोमीटर

विचार तिरंगा मानव श्रृंखला

19 जनवरी 2020
(प्रात: 7.30 से 11.30 बजे तक)

विचार
एक सार्थक पहल....

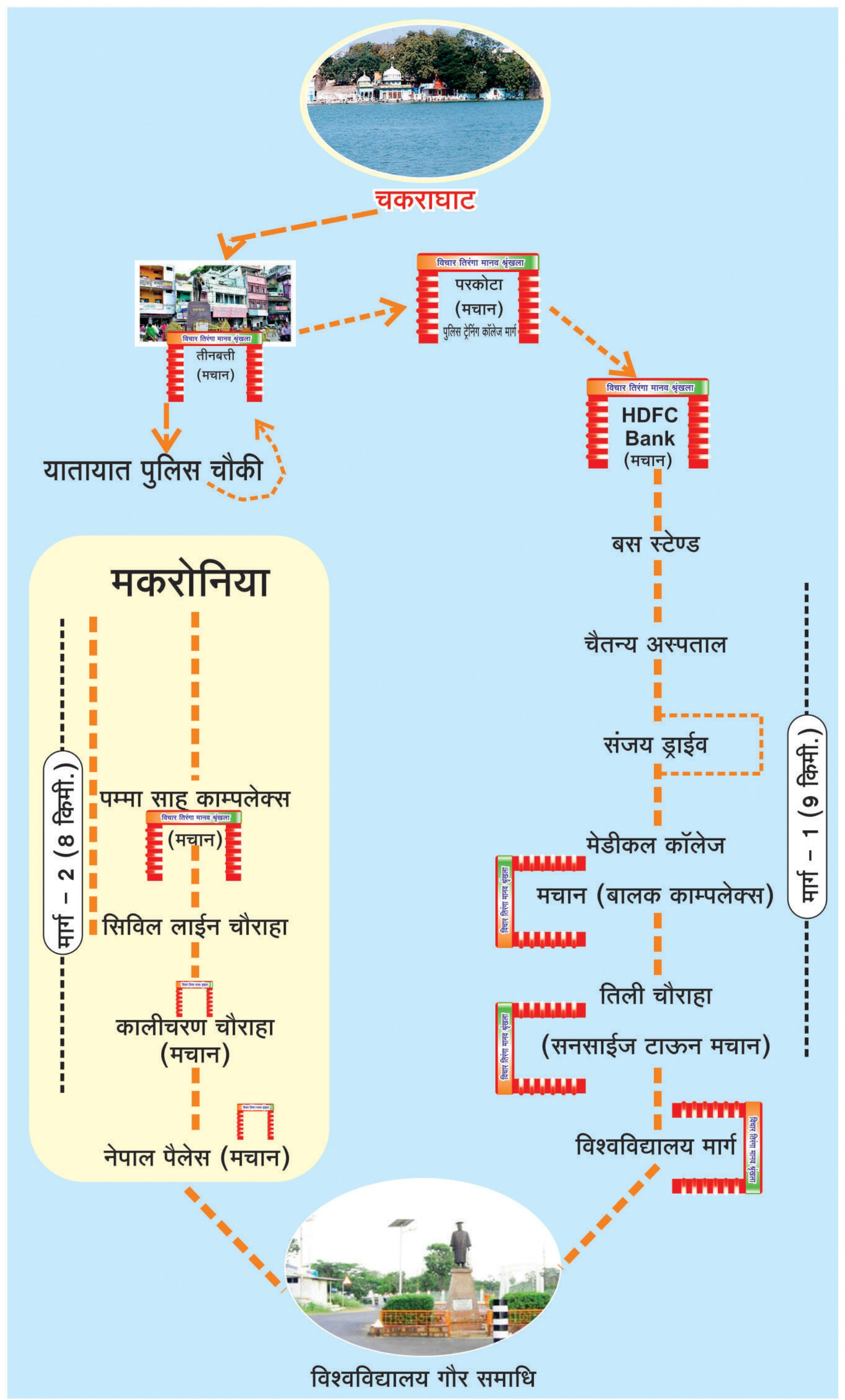
चकराघाट
विचार तिरंगा मानव श्रृंखला
तीनबत्ती
(मचान)
यातायात पुलिस चौकी
विचार तिरंगा मानव श्रृंखला
परकोटा
(मचान)
पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज मार्ग
विचार तिरंगा मानव श्रृंखला
HDFC
Bank
(मचान)
बस स्टेण्ड
चैतन्य अस्पताल
संजय ड्राईव
मेडीकल कॉलेज
मचान (बालक काम्पलेक्स)
तिली चौराहा
(सनसाईज टाऊन मचान)
विश्वविद्यालय मार्ग
मार्ग – 1 (9 किमी.)
मकरोनिया
मार्ग – 2 (8 किमी.)
पम्मा साह काम्पलेक्स
विचार तिरंगा मानव श्रृंखला
(मचान)
सिविल लाईन चौराहा
कालीचरण चौराहा
(मचान)
नेपाल पैलेस (मचान)
विश्वविद्यालय गौर समाधि

17 किलोमीटर की विचार तिरंगा मानव श्रृंखला

विचार संस्था सागर के तत्वावधान में सागर नगर की सभी शासकीय, अर्धशासकीय संस्थाओं के साथ समाज सेवा में संलग्न 75 स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से शहर विकास हेतु कार्य किया जा रहा है।

विचार संस्था के स्थापना के 17 वें वर्ष के अवसर पर 17 किलोमीटर की विचार तिरंगा मानव श्रृंखला बनायी जाएगी। इस तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य सागर को विकसित एवं स्वच्छ करना है।

इस आयोजन में 17 किलोमीटर लंबा तिरंगा 31000 स्वयं सेवकों द्वारा पकड़ा जावेगा। इस आयोजन से हम भारत की सबसे लंबी तिरंगा मानव श्रृंखला बनायेंगे जोकि सागर शहर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर सागर शहर को एक राष्ट्रभक्त नगर के रूप अनूठी पहचान देगी। साथ ही नगरवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार होगा।

आयोजन में 'स्वच्छ भारत–स्वच्छ सागर' व सिंगल यूज प्लास्टिक बंदी को भी नगर सुधार की दृष्टि से प्रमुखता के साथ प्रचारित किया जावेगा।

17 किलोमीटर लंबी विचार तिरंगा मानव श्रृंखला यात्रा जो करीब 17000 मीटर एवं 56561 फुट लंबी होगी। इसमें 34 सब स्टेशन बनेंगे। प्रत्येक स्टेशन एक स्वयंसेवी संस्था को सौंपने का प्रस्ताव है। एक स्टेशन का कार्यक्षेत्र 500 मीटर का रहेगा।

विचार तिरंगा मानव श्रृंखला निम्नानुसार मार्गों पर होगी– चकराघाट कोतवाली से प्रारंभ तीनबत्ती से यातायात पुलिस चौकी। यातायात पुलिस चौकी से वापिस तीनबत्ती। तीनबत्ती से परकोटा – एच.डी.एफ.सी. बैंक, बस स्टेण्ड के सामने से तिली मार्ग से चैतन्य अस्पताल के सामने से संजय ड्राईव – संजय ड्राईव के दोनों तरफ से होते हुए जिला चिकित्सालय, मेडीकल कॉलेज से तिली चौराहा से विश्वविद्यालय मार्ग होते हुए विश्वविद्यालय गौर समाधि । द्वितीय– मकरोनिया चौराहा से सिविल लाइन चौराहा, कालीचरण चौराहा, नेपाल पैलेस, गौर समाधि। दोनों रास्तों से चलकर विचार तिरंगा मानव श्रृंखला गौर समाधि पर 17 किलोमीटर पूर्ण होगी।

प्रत्येक स्टेशन का कार्य–

प्रत्येक स्टेशन पर सेना, पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट, शासकीय/अर्धशासकीय एवं स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ता के साथ–साथ हाई स्कूल/कॉलेज के विद्यार्थी रहेंगे। इस प्रकार करीब 500 से 600 व्यक्ति रहेंगे। सभी सदस्य अपनी निश्चित संस्था की ड्रेस कोड में रहेंगे। प्रभारी संस्था से सभी के जलपान की व्यवस्था अपेक्षा है।

प्रत्येक स्टेशन पर 20 प्रभारी बनाये जावेंगे जो प्रभारी संस्था के सदस्य होंगे। जो प्रत्येक 25 मीटर पर निगरानी करेगा। इन सभी का प्रमुख कार्य ध्वज नियम का पालन करना एवं कराना होगा। प्रत्येक स्टेशन पर 50 सहयोगी रिजर्व रहेंगे जिनकी आवश्यकतानुसार तिरंगा लेकर खड़े व्यक्तियों के स्थान पर खड़ा किया जा सके। प्रत्येक स्टेशन पर 50 व्यक्तियों की बैठक व्यवस्था प्रभारी संस्था करेगी।

1.	शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था	– 50 प्रत्येक	1700 कुल
2.	स्कूल/कॉलेज	– 250 प्रत्येक	8500 कुल (कक्षा 10 से ऊपर)
3.	स्वयंसेवी संस्था	– 50 सदस्य	1700 कुल
4.	विचार सेवक	– 50 सदस्य	1700 कुल
5.	पुलिस विभाग	– 15	510 कुल
6.	होमगार्ड	– 15	510 कुल
7.	एन.सी.सी.	– 15	510 कुल
8.	स्काऊट एवं गाईड	– 10	340 कुल
9.	भारतीय सैनिक	– 30	1020 कुल
10.	चिकित्सक	– 1	34 कुल
11.	नर्सिंग स्टाफ	– 2	68 कुल
12.	आंगनबाड़ी कार्यकर्ता	– 3	102 कुल
13.	सफाई सहयोगी	– 3	100 कुल
14.	अन्य प्रबुद्धजनों	– 410	13940 कुल
		– 903 लगभग	31000 लगभग
15.	लोक नृत्यकार, बधाई ढिमरयाई, नौरता, राई बरेदी, जवारे, शेर, रमतूला दुलदुल घोड़ी, अखाड़े, शहनाई पार्टी, ढोल बैंड शहनाई इत्यादि (उपरोक्त सभी विचार तिरंगा मानव श्रृंखला के सामने पथ संचलन करते हुए अपना प्रदर्शन करेंगे)		10000 लगभग

प्रभारी संस्था बनाये गए पांडाल में विचार संस्था एवं तिरंगा यात्रा के बैनरों के साथ-साथ स्वयं के बैनर भी लगा सकेगी।

प्रत्येक स्टेशन की रचना

1. 15X30 का पांडाल, 15 टेबिल कव्हर सहित, 70 कुर्सी, 1 स्पीकर सेट
2. पीने का पानी लगभग 500 लीटर
3. नाश्ता 500 पैकेट
4. डस्टबिन 5

पांडाल विचार मानव श्रृंखला के सामने की ओर बनेंगे। स्टेशन की सारी सुविधाओं की जवाबदारी प्रभारी संस्थाओं की होगी।

विचार तिरंगा मानवश्रृंखला में रोड पार करने के लिए मचान बनाए जाएंगे-

1.	तीनबत्ती	–	बल्ली कक्का भवन
2.	परकोटा	–	पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज की ओर
3.	गौघाट	–	एच.डी.एफ.सी. बैंक
4.	मेडीकल कॉलेज	–	बालक काम्पलेक्स
5.	तिली चौराहा	–	सनराइज टाउन के पास
6.	विश्वविद्यालय	–	तिली लोकप्रिय बिल्डिंग के पास
7.	नेपाल पैलेस	–	मंदिर के पास
8.	बी.सी. बंगला	–	पुलिस लाइन
9.	सिविल लाइन	–	हनुमान मंदिर के पास
10.	सिविल लाइन	–	पम्पा साहू काम्पलेक्स के पास
11.	मकरोनिया*	–	मकरोनिया चौरहा

विचार तिरंगा मानव श्रृंखला जो 17 किलोमीटर की होगी इस यात्रा को पूर्ण करने में लगभग 10–12 मचान बनाये जायेंगे। जिससे सामान्यजन को असुविधा न हो।

मचान की साइज 6x14x12 फुट की रहेगी। मचान बांस–बल्ली के द्वारा बनाया जायेगा, मचान को चारों तरफ प्रोयाजित संस्था/प्रतिष्ठान ले सकती है। इसके चारों तरफ विचार तिरंगा यात्रा के प्रचार के साथ–साथ अपनी संस्था या प्रतिष्ठान के बैनर लगाये जायेंगे। विज्ञापन आयोजन के उद्देश्य हेतु हितकारी होना चाहिए।

मचान पर 8 से 10 व्यक्तियों के खड़े होने की जगह होगी। जो तिरंगा यात्रा में सहयोग देंगे।

सहयोग प्रदान करने वाली संस्था के नाम आमंत्रण पत्र में होंगे।

चिन्हित स्टेशन

प्रारंभ

1. चकराघाट
2. गौर अध्ययन केन्द्र (बताशा गली)
3. सरस्वती वाचनालय
4. परकोटा (वॉच टॉवर)
5. तीन मड़िया
6. दीन दयाल स्मारक (बस स्टेण्ड)
7. सांवरिया सर्विस सेन्टर
8. संजय ड्राईव
9. संजय ड्राईव
10. संजय ड्राईव
11. वैशाली नगर रोड
12. जिला चिकित्सालय गेट नं. 2
13. इलाहाबाद बैंक
14. ग्रीन वैली गार्डन
15. कैड एकेडमी
16. बालाजी इंटरनेशनल
17. यू.टी.डी. गेट
18. यू.टी.डी. घाट क्र. 2
19. यू.टी.डी. रोड क्र. 1
20. कालीचरण चौराहा
21. संगम होटल
22. ऑफीसर्स मेस
23. सागर ऑफीसर्स इंस्टीट्यूट
24. फील्ड हॉस्पिटल
25. शंकरगढ़ द्वार
26. एम.पी. 15 होटल
27. सामुदायिक भवन
28. बटालियन गेट*
29. बटालियन अस्पताल*
30. दसवीं बटालियन गेट*
31. पुलिस अधीक्षक कार्यालय*
32. पुरानी मकरोनिया पुलिस ट्रेनिंग*
33. मकरोनिया थाना*
34. शासकीय स्कूल मकरोनिया*

17 किलोमीटर विचार तिरंगा मानव श्रृंखला सागर की सभी शासकीय, अर्धशासकीय, स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ-साथ स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के सहयोग से संपन्न होगी।

हमारा राष्ट्रीय ध्वज

भारतीय राष्ट्रीय ध्वजा तिरंगा, भारत का सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रतीक है। भारत का राष्ट्रीय झंडा भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान इस झंडे के प्रतिनिधित्व में भारतीयों ने अपनी शक्तियों को एकत्र करके इसके सम्मान और गौरव की रक्षा के लिए हजारों लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया था।

तिरंगा ध्वज उन झंडों को कहते है जिसमें विभिन्न रंग की पट्टियाँ हो । भारत के राष्ट्रीय ध्वज को तिरंगा कहते हैं।

तिरंगा के वर्तमान स्वरूप को 22 जुलाई 1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग की क्षैतिज पट्टियाँ हैं सबसे ऊपर केसरिया रंग– **जो निःस्वार्थ भावना के साथ देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है।** बीच में सफेद रंग– हमें सच्चाई के पथ के साथ अच्छे आचरण पर चलने की प्रेरणा देता है एवं त्याग बलिदान के साथ शांति एवं सत्यता का प्रतीक है। नीचे गहरे रंग की पट्टी है जो सहजता, उर्वरता, कृषि और भूमि की पवित्रता के साथ हमारे संबंधों को उजागर करता है जिन पर सभी प्राणियों का जीवन आश्रित है। ये तीनों समानुपात में है। सफेद पट्टी पर बने चक्र को अशोक चक्र से लिया गया है इसे धर्म का प्रतीक कहते हैं, इसे विधि का चक्र भी कहते हैं जो तृतीय शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाये गये सारनाथ की लाट से लिया गया है। इस चक्र में 24 आरे या तीलियों का अर्थ है कि दिन–रात्रि के 24 घंटे जीवन गतिशील है । ध्वज की चौड़ाई का अनुपात इसकी लंबाई के साथ 2 और 3 का है। यह ध्वज अपने आप में भारत की नीति दर्शाता हुआ आत्मरक्षा, शांति, समृद्धि और सदैव विकास की ओर अग्रसर दिखाई देता है।

केंद्रीय मंत्री मंडल के भारतीय झंडा संहिता को 26 जनवरी 2002 को संशोधन किये जिसमें आम जनता को वर्ष के सभी दिन झंडा फहराने की अनुमति दी गई और ध्वज की गरिमा, सम्मान की रक्षा करने को कहा गया।

तिरंगा के अभिकल्पक श्री पिंगली बैंकैया है वे भारत के सच्चे देश भक्त एवं कृषि वैज्ञानिक थे। पिंगली बैंकैया का जन्म 2 अगस्त 1876 को हुआ था। इन्होंने दो रंग के झंडे को बनाया जिसमें केसरिया एवं हरा । गांधी जी के सुझाव पर पिंगली बैंकैया ने

शांति के प्रतीक सफेद रंग को भी राष्ट्रीय ध्वज में शामिल किया। सन 1931 में कराची अधिवेशन में इसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया बाद में इसमें चरखे की जगह अशोक चक्र ने ली। 26 जनवरी 1950 को पूर्ण रूप से राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई।

उद्योगपति सांसद नवीन जिंदल ने आम जनता के अधिकार जो आम नागरिकों का झंडा फहरा सकें इसकी लड़ाई जीती थी। भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने 2004 में फैसला सुनाया कि सम्मान और गर्व के साथ स्वतंत्र रूप से राष्ट्रीय झंडे को फहराने का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के अनुसार एक नागरिक का मौलिक अधिकार है। यह राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा और भावनाओं की अभिव्यक्ति गर्व से कर सकता है।

भारतीय ध्वज के बारे में जानने योग्य बातें-

किसी भी देश का राष्ट्रीय ध्वज उसकी आन-बान-शान को दर्शाता है।

1. 29 मई 1953 में भारत का ध्वज तिरंगा सबसे ऊंची पर्वत की चोटी माउंट एवरेस्ट पर यूनियन जैक तथा नेपाली राष्ट्रीय ध्वज के साथ फहराता नजर आया था। इस समय शेरपा तेनजिंग और एडमंड माउंट हिलेरी ने एवरेस्ट फतह की थी।
2. 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने भारतीय ध्वज को लेकर अंतरिक्ष में पहली उड़ान भरी थी।
3. 21 अप्रैल 1996 को स्क्वार्डन लीडर संजय थापर ने एम.आई. 8 हैलीकाप्टर से 10,000 फीट की ऊंचाई से कूदकर पहली बार तिरंगा उत्तरी ध्रुव पर फहराया था।
4. दिनांक 2014 को 50,000 भारतीय स्वयंसेवकों द्वारा दुनिया में सबसे बड़ा मानक झंडा बनाने के लिए गिनीज बुक में अपने नाम दर्ज कराया था।
5. 23 जनवरी 2016 सबसे ऊंचा भारतीय ध्वज 293 फुट स्तंभ पर फहराया गया था।
6. देश में इसके पूर्व 15 किलोमीटर की तिरंगा मानव श्रृंखला का कार्य संपन्न हो चुका है जो अगस्त 2019 को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित हुई थी।

विचारों की ताकत से बुन्देलखण्ड सागर को बेहतर बनाने का अभियान

सागर के कुछ सेवाभावी प्रबुद्धजनों के साथ मिलकर विचार सेवक कपिल मलैया ने अपने अनुभव, सैद्धांतिक पृष्ठभूमि को लेकर बुन्देलखण्ड समाज के विकास प्रयोजन के लिए विचार समिति (संस्था) की स्थापना वर्ष 2003 में की।

बुन्देलखण्ड को पिछड़ेपन से निकालकर विकसित बनाने के उद्देश्य से यह विचार अभियान शुरू हुआ। 15 वर्षों की अपनी यात्रा में विचार ने (वर्ष 2003 से 2018 तक) अपने विचार सेवकों के सहयोग से 45000 से ज्यादा व्यक्तियों (समस्याग्रस्त) को सरकारी एवं गैर सरकारी के साथ-साथ मानवहित का लाभ पहुँचाया। परन्तु बुन्देलखण्ड के जीवनस्तर में परिवर्तन नहीं आया तब विचार को यह समझ आया कि बुन्देलखण्ड में रहने वाले निचके तबके (जिसकी आबादी लगभग 60% है) के बीच समझदारी उत्पन्न पर ही स्थायी रूप से (सही मायने में) बुन्देलखण्ड एवं सागर का विकास हो पायेगा।

अप्रैल 2018 से संस्था का कार्यालय सागर शहर के कटरा वार्ड-वर्णी कालोनी में 5000 वर्गफुट के परिसर में स्थानांतरित हुआ। यहाँ सर्वजनहित के लिए निम्न कार्य भी प्रारंभ किए गए।

वर्तमान जरूरत

1. **नेकी का घर** – आपके पास आवश्यकता से अधिक है तो यहां दे जाएं और यदि नहीं है तो यहां से ले जाएं।

   'मदद की नींव पर बुलंद होता है नेकी का घर'

2. **पुस्तक बैंक** – अपने अध्ययन के लिए आप यहां से पुस्तक ले जा सकते हैं और जिन्हें आप पढ़ चुके हैं उसे यहां जमा कर सकते हैं। यहां नर्सरी से स्नातकोत्तर एवं उपन्यास तथा सामान्य जानकारी की हजारों पुस्तकें इस बैंक में उपलब्ध हैं।
3. **चिकित्सा परामर्श एवं दवा वितरण** – सप्ताह के प्रथम 5 दिवस पर यह सुविधा विचार कार्यालय में उपलब्ध है।
4. **महिला जागरूकता अभियान** – महिला को होने वाली माहवारी, महिला सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता पर कार्य कराया जाता है।
5. **जल संरक्षण** – जल शोषक गड्ढा कैसे बनायें इसकी जानकारी संस्था नि:शुल्क प्रदान करवाती है।
6. **शव वाहन** – शव वाहन का संचालन संस्था करती है। यह 24X7 दिन अस्पताल से 30 किमी तक सेवायें प्रदान करता है।

7. **विचार विमर्श हॉल**– विचार संस्था का कार्यालय शहर के बीच में स्थित है। यहां विचार विमर्श हॉल में शहर विकास एवं सम–सामयिक विषयों पर बैठकर चर्चा की जाती है। फिर उस पर कार्य किया जाता है।

8. **नशामुक्ति, शराबबंदी अभियान**–वर्तमान परिवेश में आज का युवा आधुनिकता के कारण आपनी जीवन चर्या बदल चुका है। उसे पुन: अपनी पुरानी परंपरा में लाना हमारा कर्तव्य है।

'नशा नाश की जड़ है'

स्वरोजगार

1. **प्राकृतिक खेती एवं गौ सेवा** – इसकी समस्त जानकारी प्रदान की जाती है।

2. **विचार हथकरघा प्रशिक्षण केन्द्र** – संस्था द्वारा 12 हथकरघा स्थापित किए जिन पर 75 दिवसीय प्रशिक्षण नि:शुल्क दिया जा रहा है।

3. **नि:शुल्क शिक्षा एवं कोचिंग**– प्रत्येक माह 1 से 5 तक 25 दिवसीय कार्यशाला का रजिस्ट्रेशन होता है। इसमें आप कम्प्यूटर शिक्षा, प्लम्बर, इलेक्ट्रेशियन, फिटर की ट्रेनिंग ले सकते हैं। कक्षा 10 वीं से नि:शुल्क कोचिंग संस्था द्वारा विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदान कराई जाती है।

पर्यावरण

अ. ध्वनि प्रदूषण (जांच हेतु डेसीवल मीटर उपलब्ध)

ब. वायु प्रदूषण (एयर पीएम मानीटर उपलब्ध)

स. जल प्रदूषण (टी.डी.एस.पी.एस. मीटर उपलब्ध)

द. **वृक्षारोपण**–

1. श्री मंगलगिरी में 19.09.18 को 5000 वृक्षों का रोपण ।
2. शहीद स्मारक 10 वीं बटालियन को गोद लेकर वृक्षारोपण।
3. 23 जून 2019 दक्षिण वन मंडल एवं शहर की 65 समाजसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर राजघाट के कैचमेंट एरिया में 111111 सीड बाल का रोपण किया ।
4. 18 अगस्त 2019 को श्री मंगलगिरी पर वृक्षाबंधन कार्य के साथ 2100 नये वृक्ष के साथ–साथ जैन धर्म के 24 तीर्थंकर केवल्य वृक्ष का रोपण भगवान भरत स्वामी परिसर में किया गया।
5. 125 विचार मोहल्लों में 10–10 वृक्षों का रोपण 1 .09. 2019 से 2.09. 2019 के मध्य किया गया।

मोहल्ला विकास योजना

विचार संस्था ने सागर के 125 स्थानों को चयनित कर विचार मोहल्ला का गठन किया है। प्रत्येक मोहल्ले में 100 परिवार होते हैं। प्रत्येक 10 परिवार पर एक विचार पालक रहता है। ऐसे 10 पालक पर एक समन्वयक को मनोनीत किया जाता है। इस तरह 111 विचार परिवारों का समूह जिसमें लगभग 450 सदस्य होते हैं उसे एक मोहल्ला कहा जाता है।

मोहल्लों में सर्वप्रथम स्वच्छता का महत्व के साथ परिवार के छोटे-छोटे बच्चों को खेल एवं मनोरंजक गतिविधियां कराई जाती हैं। यहां के युवाओं को रक्तदान एवं योग से जोड़ा जाता है। महिलाओं को प्राकृतिक माहवारी पर उचित जानकारी प्रदान की जाती है। नशा मुक्ति के साथ उन्हें उनकी रूचि अनुसार रोजगार की ट्रेनिंग दी जाती है।

प्रत्येक 5 मोहल्लों पर एक विचार सहायक मंडल परिवार कार्य करता है। इसमें 10 सदस्य होते हैं जो विभिन्न क्षेत्र के जानकार रहते हैं जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, एडव्होकेट, व्यवसायी, शिक्षक, पेंशनभोगी, समाजसेवी आदि। इनके विचारों को समाहित कर मोहल्ले का विकास किया जाता है।

विचार संस्था 125 विचार मोहल्ला 125 विचार समन्वयक परिवार एवं 1250 विचार पालक परिवार के साथ 12500 विचार मोहल्ला परिवार पर कार्य कर रही है। इनमें समझदारी के साथ जागरूकता उत्पन्न करने के लिए 250 विचार सहायक मंडल परिवार के साथ शहर की 100 से अधिक समाजसेवी संस्था के सहयोग से मोहल्ला विकास योजना संचालित हो रही है।

▶ कार्य कब व कैसे किया जाता है :

इस योजना में माह में होने वाले प्रत्येक रविवार को सिर्फ 30 मिनिट से 1.30 घंटे की गतिविधि कराई जाती है। गतिविधि का समय, पालक अपने हिसाब से तय करते है।

नोट : किसी भी तरह की गतिविधि के दौरान किसी भी व्यक्ति की बुराई नहीं की जाती न ही किसी तरह का आश्वासन दिया जाता है योजना से हटकर यदि किसी की कोई समस्या है तो उस समस्या से संबंधित दस्तावेजों को एकत्र कर विचार संस्था कार्यालय भेजा जाता है कार्यालय से समस्या को संबंधित विभाग भेजा जाता है।

विचार संस्था द्वारा निशुल्क मार्शल आर्ट एवं सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ हुआ

महिलाओं को मुसीबत के समय अपनी सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भर होना जरूरी

सागर। स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए विचार संस्था द्वारा निशुल्क मार्शल आर्ट एवं सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने जनता कन्या शाला परकोटा में किया। ज्ञातव्य हो कि 10वीं क्लास के 84 बच्चे निशुल्क कोचिंग का भी लाभ ले रहे हैं।

इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि महिलाओं को अपनी आत्मरक्षा के लिए किसी उपकरण या हथियार की आवश्यकता नहीं है। थोड़ी सी सावधानी, सतर्कता एवं आत्मविश्वास के साथ हम किसी भी दुर्घटना से बच सकते हैं। मुसीबत के समय में मदद के लिए किसी का इंतजार करने की बजाय अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए आत्मनिर्भर होना जरूरी है। साथ ही उन्होंने बताया कि बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए निशुल्क हथकरघा का प्रशिक्षण भी विचार संस्था द्वारा दिया जा रहा है। जनता स्कूल के प्राचार्य महेश पाठक, सचिव एलबी सेठ व प्रभारी अनिल सेन के अथक प्रयासों से यह समाजहितैषी सर्वमान्य कार्य संभव हो सका।

जनता स्कूल के प्रभारी अनिल सेन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि सबसे बड़ा दान विद्यादान को माना गया है। विद्या ही मनुष्य का सबसे उत्तम धन है, जिसे भाई या रिश्तेदारों में बंटवारा नहीं किया जा सकता है। इसलिए विद्यार्थियों को विद्या अर्जन करने के लिए लगन मेहनत करनी चाहिए।

विचार संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि महिलाओं को निशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जीवन में आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है। जब महिलाएं आत्मनिर्भर हो जाएंगी तो उन्हें समाज में सम्मान मिलेगा। आत्म निर्भरता से महिलाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

विचार संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बालिकाओं को उच्च शिक्षा पाने के लिए प्रेरित

किया और कहा कि जब बालिका पढ़ती है तो दो परिवार ससुराल पीहर को शिक्षित संस्कारित करती है और समाज में उजाला लाती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रथम गुरु माता और प्रथम स्कूल उसका परिवार है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए। इस अवसर पर निशुल्क सेवाएं दे रहे शिक्षकों का विचार संस्था द्वारा सम्मान किया गया। जिसमें अनिल सेन, हृदेश पाटकार, सुमि जैन, सुमन, अनुराधा, जागेश्वरी, काशी बोहरे, शकुंतला दुबे, अमित जैन आदि हैं।

कार्यक्रम में जनता स्कूल के प्राचार्य महेश पाठक, सचिव एलबी सेठ, बीआर इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्राचार्य बीएल दुबे, माडल स्कूल के सहसचिव अशोक टंच, एकता समिति के अध्यक्ष सुधीर टुबेको, चंपक भाई, राकेश छाबड़ा, अनुराग विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे। मंच का संचालन अखिलेश समैया व आभार नितिन पटैरिया ने माना।

अभियान : रैली निकालकर बांटे कपड़े के थैले, पॉलीथिन का उपयोग न करने किया जागरूक

सागर। तुलसीनगर वार्ड में आज विचार संस्था द्वारा प्लास्टिक हटाओ अभियान चलाया गया और साथ ही जैविक खाद एवं एन्जाइम बनाने का प्रशिक्षण विचार संस्था द्वारा दिया गया। इस अवसर पर जैविक खाद बनाने की विधि बताई गई एवं एन्जाइम बहु उपयोगी है इसे बनाने का भी प्रशिक्षण भी दिया गया। इस अवसर पर विचार द्वारा चलाई जा रहे नि:शुल्क हथकरघा, निशुल्क कोचिंग, निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण और नि:शुल्क महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण, कूडो कराते, और सिलाई प्रशिक्षण की जानकारी दी गई । यह आयोजन प्राथमिक शाला तुलसीनगर में विचार मोहल्ला परिवार के सहायक अनुराग विश्वकर्मा, समन्वयक श्रीमति ममता अहिरवार एवं पालक श्रीमती गायत्री श्रीमती रजनी कुमारी रौनक श्रीमति मया पटेल दीपारानी रमा बाई , अभिषेक , श्रीमति विमला सहायक आशीष चावला की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक आयोजन प्रतियोगिता आदि भी हुईं। जिसमें बच्चों ने उत्साह से प्रतिभागिता की एवं बच्चों को इनाम वितरित किए गए। इस अवसर पर जवाहर लाल दाऊ, पूजा, पूजा प्रजापति राहुल अहिरवार शिखा चौरसिया आदि उपस्थित थे।

शिविर : निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 450 लोगों का हुआ परीक्षण, परामर्श दिया

सागर। विचार संस्था एवं लायंस क्लब सागर डायमंड के सामूहिक तत्वावधान में राजीव आवास योजना कालोनी में लायंस सुनील सागर की धर्मपत्नी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में निःशुल्क हेल्थ चैकअप शिविर लगाया गया जिसमें डायबिटीज, शुगर, मलेरिया, प्राथमिक चिकित्सा एवं ब्रेस्ट कैंसर से संबंधित 450 लोगों का परीक्षण हुआ। डा. दिवाकर मिश्रा, डा. साधना मिश्रा ने परीक्षण कर परामर्श दिया। लायंस सुनील सागर, लायंस अनिरूद्ध तिवारी, लायंस श्याम सुंदर ने पंजीयन दवा वितरण की व्यवस्थाएं देखीं। लखन यादव, डा. शमी खान, ओपी रिछारिया, मिर्जा बेग, सूरज पटेल, दिलीप गौतम ने जांच में सहयोग किया। विचार संस्था के समन्वयक नितिन जैन आदि ने सहयोग किया। सहायक अखिलेश समैया ने आभार जताया।

जैविक खाद व एन्जाइम बनाने का दिया प्रशिक्षण

सागर। वार्ड नं. 1 रानी दुर्गावती के सरस्वती शिशु मंदिर सेमरा में जैविक खाद एवं एन्जाइम बनाने का प्रशिक्षण सहायक अनुराग विश्वकर्मा द्वारा दिया गया। इस अवसर पर जैविक खाद बनाने की विधि बताई गई एवं एन्जाइम बहु उपयोगी है इसे बनाने का भी प्रशिक्षण विश्वकर्मा द्वारा दिया गया। इस अवसर पर विचार की स्वच्छ मोहल्ला प्रतियोगिता की जानकारी दी गई। यह आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर सेमरा में भैया बहिनों, आचार्य जी, दीदीजी, विचार मोहल्ला परिवार के पालक, समन्वयक एवं सहायक की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक आयोजन प्रतियोगिता आदि भी हुईं। जिसमें बच्चों ने उत्साह से प्रतिभागिता की एवं बच्चों को इनाम वितरित किए गए। इस अवसर पर सहायक अखिलेश समैया, सहायक ज्योति सराफ, समन्वयक मीना पटैल, राहुल, पूजा, शिखा, आदि उपस्थित थे।

मनुष्य जीवन के लिए वृक्षारोपण करना बहुत जरूरी है - श्रीयांश जैन

विचार संस्था द्वारा चलाई जा रही मोहल्ला विकास योजना के तहत बृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर मार्गदर्शक ने वृक्षारोपण के महत्व को बताते हुए कहा कि पेड़ों की संख्या में बहुत कमी हो रही है और मनुष्य जीवन के लिए वृक्षारोपण करना बहुत जरूरी है। आज हमें वनों को बड़ा करना होगा और मौजूदा वन में पेड़ो की संख्या में वृद्धि करना हैं, वृक्षारोपण यानि की एक 'नया' वन का निर्माण है।

बाघराज वार्ड (बीड़ी कालोनी) - सहायक शरद मोहन दुबे, मुकेश किलेदार, सुरेश मिश्रा, अरूण दुबे, समन्वयक शशि रोहित, पालक रजनी पटैल, लक्ष्मी रावत, निखिल अहिरवार, संगीता पटैल, सरस्वती रजक, सपना पटैल, माया पटैल, वर्षा पटैल आदि ने 10 पौधों का वृक्षारोपण किया।

संत रविदास वार्ड (भाग्योदय के सामने) - सहायक रजनी जैन, समन्वयक रीना सोनी, पालक सूरज पटैल, गीता बाई, किरण चढ़ार, अर्चना अहिरवार, तारा राय, खुशबू अहिरवार, काजल रैकवार, दुर्गा बाई आदि ने 10 पौधों का वृक्षारोपण किया।

मढ़िया विट्ठल नगर (छत्रसाल कालोनी)
समन्वयक महेन्द्र सेन, पालक कौशल्या, गीता पटैल, मंजू रैकवार, कुंती सेन, चंदा सेन, लक्ष्मी सेन, आरती सेन, बद्री प्रसाद, जादू अहिरवार आदि ने 10 पौधों का वृक्षारोपण किया।

सुभाष नगर, शास्त्री वार्ड - समन्वयक श्रीमति विनीता जोशी, पालक श्री अंकित यादव, जित्तू राय, निखिल शर्मा, श्रीमति गायत्री अहिरवार, श्रीमति नीतू ठाकुर, श्रीमति गुड्डी बाई, श्रीमति मीरा बाई, श्रीमति लक्ष्मी रैकवार, श्रीमति सविता अहिरवार आदि ने 10 पौधों का वृक्षारोपण किया।

ठाकुर बाबा मंदिर के पास, खुरई रोड - सहायक श्रीमति ज्योति जैन, समन्वयक भूपेन्द्र घोषी, पालक दीपक राजपूत, नीरज यादव, संकेत स्वामी, भूपेन्द्र प्रजापति, प्रदीप यादव, उमेश यादव, अमित ठाकुर, पंकज सोनी, सचिन यादव, उदयभान घोषी, जयराम घोषी, रोशन अहिरवार आदि ने 10 पौधों का वृक्षारोपण किया।

डॉ. हरिसिंह गौर जयंती पर विचार संस्था ने जनजागरण रैली निकाली

सागर। विचार संस्था द्वारा 26 नवंबर 2019 को शिक्षा हित में अतुल्य दान करने वाले डॉ सर हरीसिंह गौर की 150 वी जन्मवर्षगांठ के अवसर पर परकोटा स्थित जनता हाई स्कूल विचार शाखा से विशाल जन जागरण रैली गाजे बाजे के साथ चूना डांट ,भीतर बाजार, कटरा होते हुए मुख्य मार्गो से होते हुए इस संदेश के साथ शिक्षा व दानी देव हरीसिंह गौर है । देखे न विश्व मैंने कोई ऐसे और हैं । गौर स्थली तीनबत्ती पहुची, जहां संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विचार निशुल्क कोचिंग क्लास के छात्र छात्राओं व शिक्षकों के नेतृत्व में यह रैली निकाली गई।

इस अवसर पर विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि डॉ. हरि सिंह गौर एक ऐसी शख्सियत हैं, जो किसी परिचय की मोहताज नहीं है। सागर विश्वविद्यालय की स्थापना डॉ सर हरीसिंह गौर ने अपनी निजी पूंजी से की थी। यह भारत का सबसे प्राचीन तथा बड़ा विश्वविद्यालय रहा है। अपनी स्थापना के समय यह भारत का 18वां तथा किसी एक व्यक्ति के दान से स्थापित होने वाला यह देश का एकमात्र विश्वविद्यालय है। सागर तथा पूरे बुंदेलखण्ड के विकास पर सागर वि.वि. की छाप पड़ी। उनके इस महान कार्य का लाभ हम सभी को मिला। हम सब उनके ऋणी हैं। आज हम उन्हें नतमस्तक होकर प्रणाम करते हैं।

माल्यार्पण करने में हरगोविंद विश्व, जनता स्कूल व निशुल्क कोचिंग प्रभारी अनिल सेन, अशोक सोनी

टंच, हृदेश पाटकर, अमित जैन, जागेश्वरी वैश्य, मंजुलता दुबे, अनुराधा चौरसिया, सुमी जैन, सुमन चौरसिया, काशी बोहरे, कमलेन्द्र जैन, मनोज जैन, आदेश जैन, नितिन पटेरिया, मनोज रॉय, सुरेश पंजवानी, आलोक जैन, विनीता जैन, अनुराग विश्वकर्मा आदि के साथ विचार संस्था के लगभग 250 सदस्य थे। संचालन अखिलेश समैया ने किया। आभार अनिल सैन ने माना । राष्ट्रगान एवम गौर गान के बाद रैली पुन: परकोटा स्कूल पहुंचकर अध्यक्षता कर रहे अशोक सोनी टंच के उद्बोधन के बाद रैली का समापन हुआ । समस्त विचार प्रशिक्षण केंद्रों के विचार सेवक ,प्रशिक्षक, छात्र ,छात्राएं,हितग्रहियों, विचार सहायक,विचार समन्वयक, विचार पालक,विचार मोहल्ला परिवार ,स्काउट,एन सी सी,एवम शाला सहित प्रशिक्षण केंद्रों परिवार के छात्रों ने विचार के गणवेश में चलते हुए आज का विचार डॉ गौर अमर रहे के नारे के साथ चलते हुए भव्यता प्रदान की

विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया की बुआ का निधन, शोकसभा का आयोजन

सागर। विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया की बुआ श्रीमति चंद्रकांता जैन का निधन शनिवार को हो गया था। शोकसभा का आयोजन सोमवार को मलैया मील तिलकगंज में हुआ। वे अपने पीछे भतीजे राजेश, विनय, कपिल, अनुराग, वर्धमान मलैया सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

विचार संस्था द्वारा संचालित निःशुल्क शव वाहन

नवम्बर माह शव वाहन जानकारी

क्र.	दिनांक	प्रस्थान स्थल	आगमन स्थल
1	1/ 11/ 2019	जिला अस्पताल	ग्वाली मोहाल, सागर
2	1/ 11/ 2019	बी एम सी	बंडा, सागर
3	2/ 11/ 2019	जिला अस्पताल	ग्राम मोकलपुर, सागर
4	4/ 11/ 2019	बी एम सी	घाट बमोहरी, सागर
5	6/ 11/ 2019	बी एम सी	ग्राम खेराना, सागर
6	7/ 11/ 2019	जिला अस्पताल	ग्राम खाटोर सागर
7	14/ 11/ 2019	बी एम सी पी एम डिपार्टमेंट	देवरी, सागर
8	18/ 11/ 2019	बी एम सी	ग्राम महुना तहसीली बंडा, सागर
9	19/ 11/ 2019	बी एम सी पी एम डिपार्टमेंट	ग्राम हिलगन, सागर
10	19/ 11/ 2019	बी एम सी पी एम डिपार्टमेंट	ग्राम भैसा, सागर
11	22/ 11/ 2019	जिला पीएम डिपार्टमेंट	बंडा, सागर
12	24/ 11/ 2019	जिला पीएम डिपार्टमेंट	ग्राम चनाटोरिया, सागर
13	24/ 11/ 2019	बी एम सी पी एम डिपार्टमेंट	ग्राम रजबान्स, सागर
14	26/ 11/ 2019	जिला अस्पताल	ग्राम सनोधा, सागर
15	26/ 11/ 2019	बी एम सी	बेलढाना देवरी, सागर
16	27/ 11/ 2019	बी एम सी	रजाखेडी मकरोनिया, सागर
17	27/ 11/ 2019	जिला पी एम डिपार्टमेंट	ग्राम सोमला भापेल, सागर
18	27/ 11/ 2019	बी एम सी	पथरिया हाट, सागर
19	28/ 11/ 2019	बी एम सी पी एम डिपार्टमेंट	खुरई, सागर
20	28/ 11/ 2019	जिला अस्पताल	ग्राम बड्तुमा मकरोनिया, सागर

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर, बुधवार, 13 नवंबर, 2019

कढ़ाई-सिलाई से महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ेंगी, मार्शल आर्ट प्रशिक्षण से बालिकाएं बनेंगी सबल

भास्कर संवाददाता | सागर

स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए विचार संस्था द्वारा निशुल्क मार्शल आर्ट एवं सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ जनता कन्या स्कूल परकोटा में किया गया। संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि महिलाओं को अपनी आत्मरक्षा के लिए किसी उपकरण या हथियार की आवश्यकता नहीं है। थोड़ी सी सावधानी, सतर्कता एवं आत्मविश्वास के साथ हम किसी भी दुर्घटना से बच सकते हैं। बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए निशुल्क हथकरघा का प्रशिक्षण भी विचार संस्था द्वारा दिया जा रहा है।

जनता स्कूल के प्राचार्य महेश पाठक, सचिव एलबी सेठ व प्रभारी अनिल सेन के अथक प्रयासों से यह समाज हितैषी कार्य संभव हो सका। संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जब महिलाएं आत्मनिर्भर हो जाएंगी तो उन्हें समाज में सम्मान मिलेगा। आत्म निर्भरता से महिलाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि जब बालिका पढ़ती है तो दो परिवार पीहर और ससुराल को शिक्षित संस्कारित करती है और समाज में उजाला लाती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रथम गुरु माता और प्रथम स्कूल उसका परिवार है। इस मौके पर निशुल्क सेवाएं दे रहे शिक्षकों का विचार संस्था द्वारा सम्मान किया गया। जिसमें अनिल सेन, ह्रदेश पाटकार, सुमि जैन, सुमन, अनुराधा, जागेश्वरी, काशी बोहरे, शकुंतला दुबे, अमित जैन आदि हैं।

कार्यक्रम में प्राचार्य बीएल दुबे, अशोक टंच, सुधीर टुबेको, चंपक भाई, राकेश छाबड़ा, अनुराग विश्वकर्मा आदि मौजूद थे। संचालन अखिलेश समैया ने किया।

स्वदेश ज्योति सागर, बुधवार 13 नवंबर, 2019 | 03

निशुल्क मार्शल आर्ट एवं सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

विचार संस्था द्वारा महिलाओं को मुसीबत के समय किसी की मदद की बजाय अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए आत्मनिर्भर होना जरूरी : कपिल

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए विचार संस्था द्वारा निशुल्क मार्शल आर्ट एवं सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने जनता कन्या शाला परकोटा में किया। ज्ञातव्य हो कि 10वीं क्लास के 84 बच्चे निशुल्क कोचिंग का भी लाभ ले रहे हैं। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि महिलाओं को अपनी आत्मरक्षा के लिए किसी उपकरण या हथियार की आवश्यकता नहीं है। थोड़ी सी सावधानी, सतर्कता एवं आत्मविश्वास के साथ हम किसी भी दुर्घटना से बच सकते हैं। मुसीबत के समय में मदद के लिए किसी का इंतजार करने की बजाय अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए आत्मनिर्भर होना जरूरी है। साथ ही उन्होंने बताया कि बेरोजगारों को रोजगार देनें के लिए निशुल्क हथकरघा का प्रशिक्षण भी विचार संस्था द्वारा दिया जा रहा है। जनता स्कूल के प्राचार्य महेश पाठक, सचिव एलबी सेठ व प्रभारी अनिल सेन के अथक प्रयासों से यह समाजहितैषी सर्वमान्य कार्य संभव हो सका। जनता स्कूल के प्रभारी अनिल सेन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि सबसे बड़ा दान विद्यादान को माना गया है। विद्या ही मनुष्य का सबसे उत्तम धन है, जिसका भाई या रिश्तेदारों में बंटवारा नहीं किया जा सकता है। इसलिए विद्यार्थियों को विद्या अर्जन करने के लिए लगन मेहनत करनी चाहिए। विचार संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जीवन में आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है। जब महिलाएं आत्मनिर्भर हो जाएंगी तो उन्हें समाज में सम्मान मिलेगा। आत्म निर्भरता से महिलाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। विचार संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बालिकाओं को उच्च शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि जब बालिका पढ़ती है तो दो परिवार ससुराल पीहर को शिक्षित संस्कारित करती है और समाज में उजाला लाती है। उन्होंने कहा कि

बच्चों को प्रथम गुरु माता और प्रथम स्कूल उसका परिवार है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए। इस अवसर पर निशुल्क सेवाएं दे रहे शिक्षकों का विचार संस्था द्वारा सम्मान किया गया। जिसमें अनिल सेन, ह्रदेश पाटकार, सुमि जैन, सुमन, अनुराधा, जागेश्वरी, काशी बोहरे, शकुंतला दुबे, अमित जैन आदि हैं कार्यक्रम में जनता स्कूल के प्राचार्य महेश पाठक, सचिव एलबी सेठ, बीआर इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्राचार्य बीएल दुबे, माडल स्कूल के सहसचिव अशोक टंच, एकता समिति के अध्यक्ष सुधीर टुबेको, चंपक भाई, राकेश छाबड़ा, अनुराग विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

नवभारत

सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का किया शुभारंभ

नवभारत न्यूज

सागर 12 नवम्बर. स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए विचार संस्था द्वारा निशुल्क मार्शल आर्ट एवं सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने जनता कन्या शाला परकोटा में किया. ज्ञातव्य हो कि 10वीं क्लास के 84 बच्चे निशुल्क कोचिंग का भी लाभ ले रहे हैं.

संस्थापक अध्यक्ष श्री मलैया ने कहा कि महिलाओं को अपनी आत्मरक्षा के लिए किसी उपकरण या हथियार की आवश्यकता नहीं है. थोड़ी सी सावधानी, सतर्कता एवं आत्मविश्वास के साथ हम किसी भी दुर्घटना से बच सकते हैं. मुसीबत के समय में मदद के लिए किसी का इंतजार करने की बजाय अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए आत्मनिर्भर होना जरूरी है. साथ ही उन्होंने बताया कि बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए निशुल्क हथकरघा का प्रशिक्षण भी विचार संस्था द्वारा दिया जा रहा है. जनता स्कूल के प्रभारी अनिल सेन ने कहा कि सबसे बड़ा दान विद्यादान को माना गया है. विद्या ही मनुष्य का सबसे उत्तम धन है, जिसका भाई या रिश्तेदारों में बंटवारा नहीं किया जा सकता है. विचार संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए निशुल्क सिलाई.कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है. जीवन में आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है. जब महिलाएं आत्मनिर्भर हो जाएंगी तो उन्हें समाज में सम्मान मिलेगा. आत्म निर्भरता से महिलाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ेगा. विचार संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बालिकाओं को उच्च शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया.

आचरण सागर, बुधवार, 13 नवम्बर 2019 3

नि:शुल्क मार्शल आर्ट एवं सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

महिलाओं को मुसीबत के समय किसी की मदद की बजाय अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए आत्मनिर्भर होना जरूरी: कपिल मलैया

आचरण संवाददाता,सागर

स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए विचार संस्था द्वारा नि:शुल्क मार्शल आर्ट एवं सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने जनता कन्या शाला परकोटा में किया। ज्ञातव्य हो कि 10 वीं क्लास के 84 बच्चे निशुल्क कोचिंग का भी लाभ ले रहे हैंइस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि महिलाओं को अपनी आत्मरक्षा के लिए किसी उपकरण या हथियार की आवश्यकता नहीं है। थोड़ी सी सावधानी, सतर्कता एवं आत्मविश्वास के साथ हम किसी भी दुर्घटना से बच सकते हैं। मुसीबत के समय में मदद के लिए किसी का इंतजार करने की बजाय अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए आत्मनिर्भर होना जरूरी है। साथ ही उन्होंने बताया कि बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए निशुल्क हथकरघा का प्रशिक्षण भी विचार संस्था द्वारा दिया जा रहा है। जनता स्कूल के प्राचार्य महेश पाठक, सचिव एलबी सेठ व प्रभारी अनिल सेन के अथक प्रयासों से यह समाज हितैषी सर्वमान्य कार्य संभव हो सका। जनता स्कूल के प्रभारी अनिल सेन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि सबसे बड़ा दान विद्यादान को माना गया है। विद्या ही मनुष्य का सबसे उत्तम धन है, जिसका भाई या रिश्तेदारों में बंटवारा नहीं किया जा सकता है। इसलिए विद्यार्थियों को विद्या अर्जन करने के लिए लगन मेहनत करनी चाहिए। विचार संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जीवन में आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है। जब महिलाएं आत्मनिर्भर हो जाएंगी तो उन्हें समाज में सम्मान मिलेगा। आत्म निर्भरता से महिलाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।विचार संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बालिकाओं को उच्च शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि जब बालिका पढ़ती है तो दो परिवार ससुराल पीहर को शिक्षित संस्कारित करती है और समाज में उजाला लाती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रथम गुरु माता और प्रथम स्कूल उसका परिवार है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए।इस अवसर पर निशुल्क सेवाएं दे रहे शिक्षकों का विचार संस्था द्वारा सम्मान किया गया। जिसमें अनिल सेन, ह्रदेश पाटकार, सुमि जैन, सुमन, अनुराधा, जागेश्वरी, काशी बोहरे, शकुंतला दुबे, अमित जैन आदि हैं। कार्यक्रम में जनता स्कूल के प्राचार्य महेश पाठक, सचिव एलबी सेठ, बीआर इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्राचार्य बीएल दुबे, माडल स्कूल के सहसचिव अशोक टंच, एकता समिति के अध्यक्ष सुधीर टुबेको, चंपक भाई, राकेश छाबड़ा, अनुराग विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे। मंच का संचालन अखिलेश समैया व आभार नितिन पटैरिया ने माना।

8 सागर, बुधवार 13 नवम्बर 2019 देशबन्धु

मार्शल आर्ट व सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

सागर, देशबन्धु। स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए विचार संस्था द्वारा निशुल्क मार्शल आर्ट एवं सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने जनता कन्या शाला परकोटा में किया। ज्ञातव्य हो कि 10वीं क्लास के 84 बच्चे निशुल्क कोचिंग का भी लाभ ले रहे हैं। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि महिलाओं को अपनी आत्मरक्षा के लिए किसी उपकरण या हथियार की आवश्यकता नहीं है। थोड़ी सी सावधानी, सतर्कता एवं आत्मविश्वास के साथ हम किसी भी दुर्घटना से बच सकते हैं। मुसीबत के समय में मदद के लिए किसी का इंतजार करने की बजाय अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए आत्मनिर्भर होना जरूरी है। साथ ही उन्होंने बताया कि बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए नि:शुल्क हथकरघा का प्रशिक्षण भी विचार संस्था द्वारा दिया जा रहा है। विचार संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बालिकाओं को उच्च शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि जब बालिका पढ़ती है तो दो परिवार ससुराल पीहर को शिक्षित संस्कारित करती है और समाज में उजाला लाती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रथम गुरु माता और प्रथम स्कूल उसका परिवार है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए। इस अवसर पर निशुल्क सेवाएं दे रहे शिक्षकों का विचार संस्था द्वारा सम्मान किया गया।

जिसमें अनिल सेन, ह्रदेश पाटकार, सुमि जैन, सुमन, अनुराधा, जागेश्वरी, काशी बोहरे, शकुंतला दुबे, अमित जैन आदि हैं। कार्यक्रम में जनता स्कूल के प्राचार्य महेश पाठक, सचिव एलबी सेठ, बीआर इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्राचार्य बीएल दुबे आदि उपस्थित थे। मंच का संचालन अखिलेश समैया व आभार नितिन पटैरिया ने माना।

04 नवदुनिया सागर सिटी

सुविधा — जनता कन्याशाला परकोटा में विचार संस्था की ओर से दिया जाएगा प्रशिक्षण

निशुल्क मार्शल आर्ट व सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

सागर। नवदुनिया प्रतिनिधि

महिलाओं-छात्राओं को अपनी आत्मरक्षा के लिए किसी उपकरण या हथियार की आवश्यकता नहीं है। थोड़ी सी सावधानी, सतर्कता एवं आत्मविश्वास के साथ वे किसी भी दुर्घटना से बच सकती हैं। मुसीबत के समय में मदद के लिए किसी का इंतजार करने की बजाय अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए आत्मनिर्भर होना जरूरी है। यह बात समाजसेवी कपिल मलैया ने कही। उन्होंने मंगलवार को जनता कन्याशाला परकोटा में विचार संस्था के निशुल्क मार्शल आर्ट प्रशिक्षण व सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया। यहां स्कूल की छात्राओं और महिलाओं को निशुल्क रूप से आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाएंगे।

सागर। छात्राओं व महिलाओं को नि:शुल्क मार्शल आर्ट सिखाने के लिए प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। • नवदुनिया

समाजसेवी विचार संस्था के संस्थापक व अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए निशुल्क हथकरघा का प्रशिक्षण भी विचार संस्था दे रही है। स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने व आत्म निर्भर बनाने के लिए संस्था ने प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ किया है। जनता स्कूल के प्राचार्य महेश पाठक, सचिव एलबी सेठ व प्रभारी अनिल सेन के प्रयासों व सहयोग से यह समाज हितैषी प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ हो सका है।

स्कूल के प्रभारी अनिल सेन ने कहा कि सबसे बड़ा दान विद्यादान को माना गया है। विद्या ही मनुष्य का सबसे उत्तम धन है, जिसका भाई या रिश्तेदारों में बंटवारा नहीं किया जा सकता है। इसलिए विद्यार्थियों को विद्या अर्जन करने के लिए लगन मेहनत करनी चाहिए।

विचार संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जीवन में आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है।

जब महिलाएं आत्मनिर्भर हो जाएंगी तो उन्हें समाज में सम्मान मिलेगा। आत्मनिर्भरता से महिलाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

नितिन पटैरिया ने बालिकाओं को उच्च शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि जब बालिका पढ़ती है तो दो परिवार ससुराल-पीहर को शिक्षित संस्कारित करती है और समाज में उजाला लाती है।

उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रथम गुरु माता और प्रथम स्कूल उसका परिवार है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए।

निशुल्क सेवाएं देने वाले शिक्षक सम्मानित

कार्यक्रम के अंत में बच्चों को निशुल्क शैक्षणिक कार्य में मदद करने वाले व आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयास करने वाले शिक्षकों का विचार संस्था द्वारा सम्मान किया गया।

इसमें अनिल सेन, ह्रदेश पाटकार, सुमि जैन, सुमन, अनुराधा, जागेश्वरी, काशी बोहरे, शकुंतला दुबे, अमित जैन आदि हैं। कार्यक्रम में जनता स्कूल के प्राचार्य महेश पाठक, सचिव एलबी सेठ, बीएल दुबे, अशोक टंच, सुधीर टुबेको, चंपक भाई, राकेश छाबड़ा, अनुराग विश्वकर्मा सहित अखिलेश समैया, नितिन पटैरिया भी मौजूद थे।

दैनिक भास्कर 12-Nov-2019 Page 6

निधन... तिलकगंज निवासी चंद्रकांता जैन का निधन

सागर | तिलकगंज निवासी चंद्रकांता जैन का निधन शनिवार की दोपहर हो गया। अंतिम संस्कार नरयावली नाका मुक्तिधाम में हुआ। वे अपने पीछे भतीजे राजेश, विनय, कपिल, अनुराग, वर्धमान मलैया सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। वे विचार संस्था के अध्यक्ष कपिल मलैया की बुआ थीं। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चंद्रकांता जैन की शोकसभा का आयोजन

सागर। विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया की बुआ चंद्रकांता जैन की शोकसभा का आयोजन सोमवार को मलैया मील तिलकगंज में हुआ। इसमें शहर के विभिन्न समाजसेवी संगठनों ने पहुंचकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान अखिलेश समैया, प्रदीप रांधेलिया, कमलेंद्र जैन, अरविंद भाई पटैल, सुनील जैन, शफीक खान, नितिन पटैरिया, सुनीता अरिहंत आदि उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

2 सागर, बुधवार 27 नवम्बर 2019 | सागर | देशबन्धु

डॉ. हरिसिंह गौर की जयंती पर विचार संस्था ने निकाली रैली

सागर, देशबन्धु। विचार संस्था द्वारा 26 नवंबर को शिक्षा हित में अतुल्य दान करने वाले डॉ सर हरीसिंह गौर की 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर परकोटा स्थित जनता हाई स्कूल विचार शाखा से विशाल जन जागरण रैली गाजे बाजे के साथ चूना डांट, भीतर बाजार, कटरा होते हुए मुख्य मार्गों से होते हुए इस संदेश के साथ शिक्षा व दानी देव हरीसिंह गौर है देखे न विश्व मैंने कोई ऐसे और हैं। गौर स्थली तीनबत्ती पहुंची, जहां संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विचार निशुल्क कोचिंग क्लास के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों के नेतृत्व में यह रैली निकाली गई। इस अवसर पर विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि डॉ.हरिसिंह गौर एक ऐसी शख्सियत हैं, जो किसी परिचय की मोहताज नहीं है। सागर विश्वविद्यालय की स्थापना डॉ सर हरीसिंह गौर ने अपनी निजी पूंजी से की थी। यह भारत का सबसे प्राचीन तथा बड़ा विश्वविद्यालय रहा है। अपनी स्थापना के समय यह भारत का 18वां तथा किसी एक व्यक्ति के दान से स्थापित होने वाला यह देश का एकमात्र विश्वविद्यालय है। सागर तथा पूरे बुंदेलखण्ड के विकास पर सागर विवि की छाप पड़ी। उनके इस महान कार्य का लाभ हम सभी को मिला। हम सब उनके ऋणी हैं। आज हम उन्हें नतमस्तक होकर प्रणाम करते हैं।

डॉक्टर गौर को भारत रत्न देने की मांग

सर गौर युवा मंच ने निकाली पालकी यात्रा

सागर, देशबन्धु। डॉ सर हरीसिंह गौर की 150 वीं जयंती पर गौर युवा मंच सदर ने कबुलापुल चौराहे पर डॉ.गौर साहब के चित्र पट पर माल्यपर्ण कर डॉ. गौर अमर रहे डॉ.गौर को भारत रत्न दो जैसे नारे लगाए सभी ने एवं डॉ गौर को भारतरत्न देने की मांग को लेकर मानव श्रृखंला मनाई एवं पालकी में डॉ गौर के चित्रपट को रखकर कबुलापुल से बारह मोहाल सदर शास्त्री चौक से होती हुई कबुला पुल चौराहा पर समापन हुआ सदर में सभी ने अपने अपने घरों से पालकी पर पुष्प वर्षा भी की। बड़ी संख्या में डायमंड पब्लिक स्कूल एवं डी एन सी वी स्कूल के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं सहित समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया भाजपा जिला अध्यक्ष प्रभुदयाल पटेल गौर युवा मंच के अध्यक्ष रवींद्र अवस्थी एड सभी ने डॉ.गौर को भारत रत्न देने की मांग करते हुए जयघोष किया गौर युवा मंच के अध्यक्ष अवस्थी ने बताया कि मंच पोस्टकार्ड अभियान भी चला चुका है। लम्बे समय से इस मांग को उठा रहा है कि डॉ गौर को भारत रत्न दिया जाए अगले वर्ष तक यहां डॉ गौर साहब की प्रतिमा भी लगाई जायेगी।

अभाविप ने भी मनाई गौर जयंती

वहीं राहतगढ़ में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने डॉ. हरिसिंह गौर की जयंती पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। गौशाला में पौधरोपण करके एवं बड़े पुल के पास देवी जी मंदिर की साफ-सफाई करके डॉ.गौर की जयंती मनाई। शाम को बस स्टैंड पुलिस चौकी के पास दीपदान कार्यक्रम किया गया। अभाविप ने डॉ हरिसिंह गौर को याद किया एवं ऐसे महापुरुषों के मार्गदर्शक चलने की सबने प्रतिज्ञा ली।

नईदुनिया | सागर, 28 नवंबर 2019 | 2

डॉ. हरिसिंह गौर जयंती पर विचार संस्था ने जनजागरण रैली निकाली

सागर। विचार संस्था द्वारा 26 नवंबर 2019 को शिक्षा हित में अतुल्य दान करने वाले डॉ सर हरीसिंह गौर की 150 वी जन्मवर्षगांठ के अवसर पर परकोटा स्थित जनता हाई स्कूल विचार शाखा से जन जागरण रैली गाजे बाजे के साथ चूना डांट, भीतर बाजार, कटरा होते हुए मुख्य मार्गों से होते हुए इस संदेश के साथ शिक्षा व दानी देव हरीसिंह गौर है। देखे न विश्व मैंने कोई ऐसे और हैं। गौर स्थली तीनबत्ती पहुची, जहां संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विचार निशुल्क कोचिंग क्लास के छात्र छात्राओं व शिक्षकों के नेतृत्व में यह रैली निकाली गई। इस अवसर पर विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि डॉ. हरि सिंह गौर एक ऐसी शख्सियत हैं। जो किसी परिचय की मोहताज नहीं है। सागर विश्वविद्यालय की स्थापना डॉ सर हरीसिंह गौर ने अपनी निजी पूंजी से की थी। यह भारत का सबसे प्राचीन तथा बड़ा विश्वविद्यालय रहा है। अपनी स्थापना के समय यह भारत का 18वां तथा किसी एक व्यक्ति के दान से स्थापित होने वाला यह देश का एकमात्र विश्वविद्यालय है। सागर तथा पूरे बुंदेलखण्ड के विकास पर सागर विश्विद्यालय की छाप पड़ी। उनके इस महान कार्य का लाभ हम सभी को मिला। हम सब उनके ऋणी हैं। आज हम उन्हें नतमस्तक होकर प्रणाम करते हैं।

माल्यार्पण करने में हरगोविंद विश्व, जनता स्कूल व निशुल्क कोचिंग प्रभारी अनिल सेन, अशोक सोनी टंच, ह्रदेश पाटकर, अमित जैन, जागेश्वरी वैश्य, मंजुलता दुबे, अनुराधा चौरसिया, सुमी जैन, सुमन चौरसिया, काशी बोहरे, कमलेन्द्र जैन, मनोज जैन, आदेश जैन, नितिन पटेरिया, मनोज रॉय, सुरेश पंजवानी, आलोक जैन, विनीता जैन, अनुराग विश्वकर्मा,आदि के साथ विचार संस्था के लगभग 250 सदस्य थे। संचालन अखिलेश समैया ने किया। आभार अनिल सैन ने माना। राष्ट्र गान एवम गौर गान के बाद रैली पुनः परकोटा स्कूल पहुंचकर अध्यक्षता कर रहे अशोक सोनी टंच के उद्बोधन के बाद रैली का समापन हुआ। समस्त विचार प्रशिक्षण केंद्रों के विचार सेवक प्रशिक्षक छात्र छात्राएं, हितग्रहियों, विचार सहायक,विचार समन्वयक, विचार पालक,विचार मोहल्ला परिवार ,स्काउट,एन सी सीएएवम शाला सहित प्रशिक्षण केंद्रों परिवार के छात्रों ने विचार के गणवेश में चलते हुए आज का विचार डॉ गौर अमर रहे के नारे के साथ चलते हुए भव्यता प्रदान की।

अतुल्य भास्कर | सागर, 27 नवम्बर 2019 | पेज 5

डॉ. गौर जयंती पर विचार संस्था ने निकाली रैली

अतुल्य भास्कर, सागर

विचार संस्था द्वारा 26 नवंबर 2019 को शिक्षा हित में अतुल्य दान करने वाले डॉ सर हरीसिंह गौर की 150 वी जन्मवर्षगांठ के अवसर पर परकोटा स्थित जनता हाई स्कूल विचार शाखा से विशाल जन जागरण रैली गाजे बाजे के साथ चूना डांट ,भीतर बाजार, कटरा होते हुए मुख्य मार्गो से होते हुए इस संदेश के साथ "शिक्षा व दानी देव हरीसिंह गौर है। देखे न विश्व मैंने कोई ऐसे और हैं।"गौर स्थली तीनबत्ती पहुची, जहां संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विचार निशुल्क कोचिंग क्लास के छात्र छात्राओं व शिक्षकों के नेतृत्व में यह रैली निकाली गई।

इस अवसर पर विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि डॉ. हरि सिंह गौर एक ऐसी शख्सियत हैं, जो किसी परिचय की मोहताज नहीं है। सागर विश्वविद्यालय की स्थापना डॉ सर हरीसिंह गौर ने अपनी निजी पूंजी से की थी। यह भारत का सबसे प्राचीन तथा बड़ा विश्वविद्यालय रहा है। अपनी स्थापना के समय यह भारत का 18वां तथा किसी एक व्यक्ति के दान से स्थापित होने वाला यह देश का एकमात्र विश्वविद्यालय है।

दैनिक भास्कर | 27-Nov-2019 सागर Page 4

• विचार संस्था ने निकाली जनजागरण रैली : विचार संस्था द्वारा परकोटा स्थित जनता हाई स्कूल से जन जागरण रैली चूना डांट, भीतर बाजार, कटरा होते हुए गौर स्थली तीनबत्ती पहुंची। विचार निशुल्क कोचिंग क्लास के छात्र छात्राओं व जनता स्कूल के शिक्षकों के नेतृत्व में संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। हरगोविंद विश्व, अनिल सेन, अशोक सोनी टंच, ह्रदेश पाटकर, अमित जैन, जागेश्वरी वैश्य, मंजुलता दुबे, अनुराधा चौरसिया, सुमी जैन, सुमन चौरसिया, काशी बोहरे, कमलेन्द्र जैन, मनोज जैन, आदेश जैन, नितिन पटेरिया, मनोज रॉय, सुरेश पंजवानी, आलोक जैन, विनीता जैन, अनुराग विश्वकर्मा, अखिलेश समैया आदि ने माल्यार्पण किया।

दैनिक भास्कर | 26-Nov-2019 सागर Page 6

शिविर... निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 450 लोगों का हुआ परीक्षण, परामर्श दिया

सागर | विचार संस्था एवं लायंस क्लब सागर डायमंड के सामूहिक तत्वाधान में राजीव आवास योजना कॉलोनी में निशुल्क हेल्थ चेकअप शिविर लगा। जिसमें डायबिटीज, शुगर, मलेरिया, प्राथमिक चिकित्सा एवं ब्रेस्ट कैंसर से संबंधित 450 लोगों का परीक्षण हुआ। डॉ. दिवाकर मिश्रा, डॉ. साधना मिश्रा ने परीक्षण कर परामर्श दिया। अखिलेश समैया, अनिरुद्ध तिवारी, सुनील जैन, श्याम सुंदर ने पंजीयन दवा वितरण की व्यवस्थाएं देखीं। लखन यादव, डॉ. शमी खान, ओपी रिछारिया, मिर्जा बेग, सूरज पटेल, दिलीप गौतम ने जांच में सहयोग किया। विचार संस्था के समन्वयक नितिन जैन आदि ने सहयोग किया। विचार संस्था सहायक अखिलेश समैया ने आभार जताया।

---

2 सागर, गुरुवार 28 नवम्बर 2019 | देशबन्धु

विचार संस्था ने पन्नी के बदले बांटे कपड़े के थैले

सागर, देशबन्धु। विचार संस्था द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत तुलसी नगर वार्ड में विचार मोहल्ला टीम के द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक हटाओ अभियान के तहत एक जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली में विचार संस्था द्वारा वार्ड वासियों को कपड़े के थैले भी बांटे गए। रैली में सहायक आशीष चावला, समन्वयक ममता अहिरवार, प्राथमिक शाला तुलसीनगर के छात्र-छात्राओं ने वार्डवासियों को जागरूक करते हुए कहा कि पॉलिथीन का बढ़ता हुआ उपयोग न केवल वर्तमान के लिये बल्कि भविष्य के लिये भी खतरनाक होता जा रहा है। पॉलिथीन पूरे देश की गम्भीर समस्या है। पहले जब खरीदारी करने जाते थे तो कपड़े का थैला साथ लेकर जाते थेए किन्तु आज खाली हाथ जाकर दुकानदार से पॉलिथीन माँगकर सामान लाते हैं। पहले अखबार के लिफाफे होते थे किन्तु उसके स्थान पर आज पॉलिथीन का उपयोग किया जा रहा है। रैली में पालक गायत्री, रजनी, रौनक, माया पटैल, दीपा रानी, रमा बाई, अभिषेक, विमला, जवाहर दाऊ, अनुराग विश्वकर्मा, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति आदि उपस्थित थीं।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर | 23-Nov-2019 सागर Page 4

ट्रेनिंग... जैविक खाद, एंजाइम बनाना सिखाया

सागर | सरस्वती शिशु मंदिर सेमरा में जैविक खाद एवं एंजाइम बनाने का प्रशिक्षण विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया द्वारा दिया गया।

जैविक खाद बनाने की विधि भी बताई गई। साथ ही इनके फायदे बताए गए। विचार की स्वच्छ मोहल्ला प्रतियोगिता की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रतियोगिता आदि भी हुए। जिसमें बच्चों ने उत्साह से सहभागिता की। बच्चों को इनाम वितरित किए गए। इस मौके पर अखिलेश समैया, अनुराग विश्वकर्मा, ज्योति सराफ, मीना पटेल, पूजा, शिखा, राहुल आदि मौजूद थे।

नवदुनिया | सागर सिटी

कपिल मलैया बने वैश्य महासम्मेलन के संभागीय अध्यक्ष व प्रदेश मंत्री

सागर। मप्र वैश्य महासम्मेलन में सागर के समाजसेवी कपिल मलैया को प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। इसके अलावा उन्हें सागर संभाग के अध्यक्ष की

कपिल मलैया।

जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। महासम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता की अनुशंसा पर उन्हें यह नई जिम्मेदारी दी गई है। उनसे अपेक्षा की गई है कि सागर सहित संभाग और प्रदेश में वैश्य महासम्मेलन को मजबूत करने के लिए व वैश्य महासम्मेलन के तहत आने वाली समाजों के प्रतिनिधियों को संगठन के जोड़ने के लिए बेहतर प्रयास किए जाएं।

अतुल्य भास्कर | सागर, 28 नवम्बर 2019 | पेज 3

विचार संस्था ने पालीथिन का विरोध कर कपड़े के थैले बांटे

अतुल्य भास्कर, सागर। विचार संस्था द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत तुलसी नगर वार्ड में विचार मोहल्ला टीम के द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक हटाओ अभियान के तहत एक जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली में विचार संस्था द्वारा वार्डवासियों को कपड़े के थैले भी बांटे गए।

रैली में सहायक आशीष चावला, समन्वयक ममता अहिरवार, प्राथमिक शाला तुलसीनगर के छात्र छात्राएं ने वार्डवासियों को जागरूक करते हुए कहा कि पॉलिथीन का बढ़ता हुआ उपयोग न केवल वर्तमान के लिये बल्कि भविष्य के लिये भी खतरनाक होता जा रहा है। पॉलिथीन पूरे देश की गम्भीर समस्या है। पहले जब खरीदारी करने जाते थे तो कपड़े का थैला साथ लेकर जाते थे, किन्तु आज खाली हाथ जाकर दुकानदार से पॉलिथीन माँगकर सामान लाते हैं। पहले अखबार के लिफाफे होते थे किन्तु उसके स्थान पर आज पॉलिथीन का उपयोग किया जा रहा है। रैली में पालक गायत्री, रजनी, रौनक, माया पटैल, दीपा रानी, रमा बाई, अभिषेक, विमला, जवाहर दाऊ, अनुराग विश्वकर्मा, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति आदि उपस्थित थीं।

दैनिक भास्कर | सागर, शुक्रवार, 01 नवंबर, 2019

विचार निशुल्क कोचिंग केंद्र का शुभारंभ आज, तीन माह तक सभी विषयों के शिक्षक पढ़ाएंगे

सागर | कक्षा 10वीं के नियमित एवं स्वाध्यायी विद्यार्थी माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा 2019-20 में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण कर सकें, इसके लिए विचार संस्था द्वारा जनता कन्या शाला परकोटा में निशुल्क कोचिंग का शुभारंभ शुक्रवार को किया जा रहा है। यहां अगले 3 माह तक सभी विषयों के योग्य शिक्षकों द्वारा पढ़ाई कराई जाएगी। विचार के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि कोचिंग का समय सुबह 7.30 से 9 बजे तक रखा गया है। प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थी अभी भी अपना पंजीयन करा सकते हैं।

दैनिक भास्कर | 29-Nov-2019 सागर Page 4

अभियान... रैली निकालकर बांटे कपड़े के थैले, पॉलीथिन का उपयोग न करने किया जागरुक

सागर| विचार संस्था द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के तहत तुलसीनगर वार्ड में विचार मोहल्ला टीम द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक हटाओ अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। संस्था द्वारा वार्डवासियों को कपड़े के थैले भी बांटे गए। रैली में सहायक आशीष चावला, समन्वयक ममता अहिरवार, प्राथमिक शाला तुलसीनगर के छात्र छात्राएं ने वार्डवासियों को जागरूक किया। रैली में पालक गायत्री, रजनी, रौनक, माया पटेल, दीपा रानी, रमा बाई, अभिषेक, विमला, जवाहर, अनुराग विश्वकर्मा, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति आदि मौजूद थीं।

स्वदेश ज्योति

विचार संस्था ने पालीथिन का विरोध कर कपड़े के थैले बांटे

सागर • विचार संस्था द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत तुलसी नगर वार्ड में विचार मोहल्ला टीम के द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक हटाओ अभियान के तहत एक जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली में विचार संस्था द्वारा वार्डवासियों को कपड़े के थैले भी बांटे गए। रैली में सहायक आशीष चावला, समन्वयक ममता अहिरवार, प्राथमिक शाला तुलसीनगर के छात्र छात्राएं ने वार्डवासियों को जागरूक करते हुए कहा कि पॉलिथीन का बढ़ता हुआ उपयोग न केवल वर्तमान के लिये बल्कि भविष्य के लिये भी खतरनाक होता जा रहा है। पॉलिथीन पूरे देश की गम्भीर समस्या है। पहले जब खरीदारी करने जाते थे तो कपड़े का थैला साथ लेकर जाते थे, किन्तु आज खाली हाथ जाकर दुकानदार से पॉलिथीन माँगकर सामान लाते हैं। पहले अखबार के लिफाफे होते थे किन्तु उसके स्थान पर आज पॉलिथीन का उपयोग किया जा रहा है।

दैनिक भास्कर | सागर, बुधवार, 13 नवंबर, 2019

नियुक्ति...कपिल मलैया वैश्य महासम्मेलन सागर संभाग के अध्यक्ष एवं प्रदेश इकाई में मंत्री बने

सागर | वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेशाध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता ने कपिल मलैया को सागर का संभागीय अध्यक्ष एवं प्रदेश इकाई में प्रदेश मंत्री नियुक्त किया है। संभाग भर के पदाधिकरियों ने उनकी नियुक्ति पर बधाई दी हैं।

देशबन्धु

कपिल बने वैश्य महासम्मेलन के संभागाध्यक्ष

सागर, देशबन्धु। नई जिम्मेदारी के तहत प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता की अनुशंसा से वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश की इकाई में प्रदेश मंत्री एवं सागर संभाग के अध्यक्ष के तौर पर कपिल मलैया को नियुक्त किया गया है।

सम्पूर्ण सागर संभाग के वैश्य महासम्मेलन के अंतर्गत आने वाले जिलों के अध्यक्ष, महामंत्री सहित समस्त वैश्य बंधुओ ने मलैया की इस उपलब्धि पर बधाइयां प्रेषित की है।

दैनिक भास्कर | सागर, मंगलवार, 12 नवंबर, 2019

बालिका मार्शल आर्ट एवं सिलाई कढ़ाई निशुल्क प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ आज

सागर | स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए विचार संस्था द्वारा निशुल्क मार्शल आर्ट एवं सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ मंगलवार को सुबह 9 बजे से किया जा रहा है। छात्राओं को जूड़ो, कराते, कूडो, सेल्फ डिफेंस एवं मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि दोनों विधाओं के प्रथम बेच की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो गई है। एक बैच में 30 छात्राएं एवं महिलाएं प्रशिक्षण ले सकती हैं। पंजीयन विचार के वर्णी कॉलोनी स्थित कार्यालय में कराए जा सकते हैं। योजना प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह 7 बजे से दिया जाएगा।

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष, मो. 9009780020
FB : @KapilMalaiyaOriginal

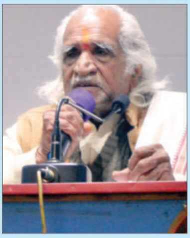

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

आकांक्षा मलैया
सचिव, मो. 9165422888
FB : @AkankshaMalaiyaOriginal

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

पता - विचार कार्यालय, पुरानी स्टेट बैंक बिल्डिंग, वर्णी कालोनी, सागर

विचार सहायक मंडल परिवार

सहायक
श्री मनोज राय जी

सहायक
श्री अखिलेश समैया जी

सहायक
श्री अनुराग विश्वकर्मा जी

सहायक
श्री अनुराग जैन जी

सहायक
श्री आकाश जैन जी

सहायक
श्री आकाश चावला जी

सहायक
श्री मनोज जैन जी

सहायक
श्री शरद मोहन दुबे जी

सहायक
कु. श्वेता जैन जी

सहायक
श्रीमति रजनी जैन जी

सहायक
श्रीमति ज्योति सराफ जी

सहायक
श्रीमति ज्योति जैन जी

सहायक
श्रीमति खुशबू जैन जी

सहायक
कु. पूजा पड़ेले जी

सहायक
श्रीमति प्रमिला मौर्य

सहायक
कु. प्रियंका गोदरे जी

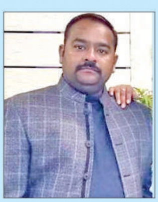
सहायक
श्री धवल कुशवाहा जी

सहायक
एड. आकाश गोदरे जी

सहायक
श्री सुरेश पिंजवानी जी

सहायक
श्री विजयंत सिंघई जी

सहायक
श्री धर्मेंद्र पटेल जी

सहायक
श्री पंकज सोनी जी

सहायक
श्री धर्मेंद्र सिंह चौहान जी

सहायक
श्री उमेश चौबे जी

सहायक
श्री प्रकाश सिंह ठाकुर जी

॥विचार संस्था॥

(स्थापना वर्ष 2003)

विचार की दैनिक रिपोर्ट व गतिविधियों की जानकारी के लिए देखें हमारा फेसबुक पेज :

@vicharsanstha

व्हाट्सएप पर जानकारी पाने के लिए इस नंबर को सेव करें व इस पर अपना नाम लिखकर व्हाट्सएप मैसेज करें : +91 9575737475

हमारे सागर सुधार - सागर विकास अभियान से जुड़ने के लिए संपर्क करें :

नितिन पटैरिया : +91 9009780042

विचार की अन्य गतिविधियों से जुड़ने के लिए संपर्क करें :

आकांक्षा मलैया : +91 9165422888